सत्र: 2023-24

पाठ योजना : हिंदी (मेजर) : मध्यकालीन हिंदी कविता

कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (सेमेस्टर - 2)

फरवरी, 2024

1. काव्यशास्त्र: काव्य की परिभाषा।

2. हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल की सामान्य परिस्थितियां।

3. व्याख्या: डॉ पुष्पपाल सिंह संपादित कबीर ग्रंथावली में संकलित साखी गुरुदेव कौ अंग साखी संख्या - 3,7,11; प्रेम - दोहा संख्या - 34; पतिव्रता कौ अंग दोहा संख्या - 2, 4 ; चेतावनी कौ अंग दोहा संख्या -12,13; मन कौ अंग दोहा संख्या - 5 12 26; माया कौ अंग दोहा संख्या - 4,11; सूरातन कौ अंग दोहा संख्या - 12, 19, 21; भ्रम विधोसरण कौ अंग दोहा संख्या - 8, 10; कुसंगति कौ अंग दोहा संख्या - 7; साध कौ अंग दोहा संख्या - 3, 12 की सप्रसंग व्याख्या

4. साहित्यिक परिचय: कबीरदास

5. समीक्षात्मक चर्चा: कबीर की भक्ति भावना, गुरु का महत्व, सामाजिक चेतना और भाषा शैली पर ।

मार्च 2024

1. काव्यशास्त्र: काव्य हेतु एवं काव्य तत्व।

2. हिंदी साहित्य का इतिहास:

   आदिकाल नामकरण एवं सीमा निर्धारण तथा आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विस्तृत चर्चा।

3. व्याख्या:

i) डॉ. धीरेंद्र वर्मा द्वारा संपादित सूरसागर सार सटीक में संकलित विनय और भक्ति पद - संख्या 1,4, 22, 25, 44 ; बाल लीला पद - संख्या - 18, 43; वृंदावन लीला पद - संख्या - 1, 42, 127 ; राधा - कृष्ण - पद संख्या - 2, 3, 147; भ्रमर गीत - पद संख्या - 68,76, 80 95, 136, 158, 178, 180 की सप्रसंग व्याख्या।

ii) गीता प्रेस गोरखपुर से प्रकाशित तुलसीदास कृत कवितावली में संकलित बाल काण्ड पद संख्या - 1, 3, 6; अयोध्या काण्ड पद संख्या - 1, 11, 12, 18; उत्तर काण्ड पद संख्या - 26, 27, 28, 29, 33, 37, 57, 74 की सप्रसंग व्याख्या।

4. साहित्यिक परिचय: सूरदास एवं तुलसीदास

5. समीक्षात्मक चर्चा:

सूरदास की भक्ति भावना, बाल - लीला वर्णन, शृंगार भावना

तुलसीदास की प्रासंगिकता, तुलसीदास की समन्वय, भावना भक्ति भावना राम भक्त रूप में तुलसी।

 पृष्ठांक -2- पर जारी

अप्रैल, 2024

1. काव्यशास्त्र: शब्द शक्तियां ।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास: रासो काव्य तथा लौकिक
   काव्य का सामान्य परिचय।
3. व्याख्या:

I) परशुराम चतुर्वेदी द्वारा संपादित ग्रंथ मीराबाई की पदावली में संकलित पद संख्या - 2, 3, 9, 14, 15, 17, 20, 23, 30, 33, 34, 39, 45, 45, 57, 76, 108, 113

II) भारतेंदुशेखर द्वारा संपादित घनानंद - कवित्त एवं सवैये में संकलित घनानंद कवित्त प्रथम शतक पद एवं सवैये संख्या - 2, 15, 34, 40, 44, 42, 52, 58, 70, 71, 82

III) विद्यानिवास मिश्र सत्यदेव मिश्र द्वारा संपादित रसखान रचनावली में संकट प्रेम वाटिका दोहा संख्या -1, 2, 6, 7, 11, 14, 25 तथा सुजान रसखान - 1, 2, 3, 6, 11, 28, 30, 38, 39

4. साहित्यिक परिचय: मीराबाई, घनानंद एवं रसखान।
5. समीक्षात्मक चर्चा:

मीराबाई की गीति योजना, प्रेम साधना, काव्य - सौंदर्य।

घनानंद का विरह वर्णन, सौंदर्य चेतना।

रसखान की भक्ति भावना एवं प्रेम निरूपण ।

6. लेखन - कार्य
7. कक्षा परीक्षा

मई, 2024

1. व्याख्या :

I) जगन्नाथ रत्नाकर द्वारा संपादित बिहारी रत्नाकर में संकलित दोहा संख्या - 1,11, 31, 41, 71, 78, 121, 141, 25, 32, 38, 46, 48, 55, 57, 60, 69, 70, 73, 94, 139, 191, 192, 201, 321, 432, 472, 489, 689

2. साहित्यिक परिचय : बिहारी लाल
3. समीक्षात्मक चर्चा :

बिहार का गीति काव्य, बिहार का शृंगार वर्णन, बिहारी का बहुज्ञत्व।

4. पुनरावृत्ति: समग्र पाठ्यक्रम के वस्तुनिष्ठ प्रश्न ।

सती

डॉ. सतीश कुमार
सहायक आचार्य, हिंदी
राजकीय महिला महाविद्यालय, घरौंडा (बसताड़ा)।

सत्र: 2023-24

पाठ योजना : हिंदी (अनिवार्य)

कक्षा : बी.ए. द्‌वितीय वर्ष (सेमेस्टर - 4)

जनवरी, 2024

1. कथाक्रम: 'ईदगाह' एवं 'पुरस्कार' कहानियों का पाठ तथा कहानी के विभिन्न तत्वों - कथानक, देशकाल और वातावरण, संवाद योजना, पात्र- चरित्र चित्रण, भाषा शैली उद्‌देश्य आदि के आधार पर समीक्षात्मक चर्चा।

2. साहित्यिक परिचय: प्रेमचंद तथा जयशंकर प्रसाद।3. हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल का परिसीमन तथा आधुनिक काल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों की विवेचनात्मक चर्चा।

4. पारिभाषिक शब्दावली: परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार।

फ़रवरी, 2024

1. कथाक्रम : 'गैंग्रीन' एवं 'ठेस' कहानियों का पाठ तथा कहानी के विभिन्न तत्वों - कथानक, देशकाल और वातावरण, संवाद योजना, पात्र- चरित्र चित्रण, भाषा शैली उद्‌देश्य आदि के आधार पर समीक्षात्मक चर्चा।

2. साहित्यिक परिचय: अज्ञेय तथा फणीश्वर नाथ 'रेणु'।3. आधुनिक गद्‌य विधा : 'नाटक' और 'उपन्यास' के उद्‌भव और विकास पर व्यापक चर्चा।

4. पारिभाषिक शब्दावली: महत्व एवं गुण।

मार्च, 2024

1. कथाक्रम : 'फैसला' एवं 'मलबे का मालिक' कहानियों का पाठ तथा कहानी के विभिन्न तत्वों - कथानक, देशकाल और वातावरण, संवाद योजना, पात्र- चरित्र चित्रण, भाषा शैली उद्‌देश्य आदि के आधार पर समीक्षात्मक चर्चा।

2. साहित्यिक परिचय: मैत्रेयी पुष्पा तथा मोहन राकेश।3. आधुनिक गद्‌य विधा : 'कहानी' और 'निबंध' के उद्‌भव और विकास पर व्यापक चर्चा।

4. पारिभाषिक शब्दावली: महत्व एवं गुण।

अप्रैल, 2024

1. कथाक्रम : 'पच्चीस चौका डेढ सौ' कहानी का पाठ तथा कहानी के विभिन्न तत्वों - कथानक, देशकाल और वातावरण, संवाद योजना, पात्र- चरित्र चित्रण, भाषा शैली उद्‌देश्य आदि के आधार पर समीक्षात्मक चर्चा।

पृष्ठांक: '2' पर जारी -

2 साहित्यिक परिचय: ओमप्रकाश वाल्मीकि।3 आधुनिक गद्य विधा : 'संस्मरण' और 'रेखाचित्र'
के उद्भव और विकास पर व्यापक चर्चा।

4 पारिभाषिक शब्दावली: निर्माण में सक्रिय: अंतर्राष्ट्रवादी, राष्ट्रवादी एवं समन्वयवादी विविध सम्प्रदायों पर विस्तारपूर्वक चर्चा।

5 लेखन कार्य।

6 कक्षा परीक्षा।

मई, 2024

1 आधुनिक गद्य विधा : 'यात्रावृत' और 'व्यंग्य' के उद्भव और विकास पर व्यापक चर्चा ।

2 पुनरावृति: समग्र पाठ्यक्रम की वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से पुनरावृत्ति।

डॉ. सतीश कुमार
सहायक आचार्य, हिंदी
राजकीय महिला महाविद्यालय, घरौंडा (बसताड़ा)।

सत्र: 2023-24

पाठ योजना : हिंदी (अनिवार्य)

कक्षा : बी.ए. तृतीय वर्ष (सेमेस्टर - 6)

जनवरी, 2024

1. नव्यत्तर गद्य गौरव : 'आशा का अंत' तथा 'उत्साह' निबंधों का विश्लेषणात्मक पाठ ।

2. साहित्यिक परिचय: बालमुकुंद गुप्त तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल।3. हरियाणवी भाषा : उद्‌भव और विकास

4. पत्रकारिता: परिभाषा और स्वरूप

फरवरी, 2024

1. नव्यत्तर गद्य गौरव : 'गिल्लू' संस्मरण तथा 'देवदारु' ललित निबंध का विश्लेषणात्मक पाठ ।

2. साहित्यिक परिचय: महादेवी वर्मा तथा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।3. हरियाणवी भाषा की विभिन्न बोलियों पर विवेचनात्मक चर्चा।

4. पत्रकारिता के विभिन्न प्रकार, महत्व तथा उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा।

मार्च, 2024

1. नव्यत्तर गद्य गौरव : 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' ललित निबंध तथा 'सदाचार का तावीज' व्यंग्य का विश्लेषणात्मक पाठ ।

2. साहित्यिक परिचय: विद्यानिवास मिश्र प्रभाकर तथा हरिशंकर परसाई ।3. हरियाणवी सांग परम्परा: उद्‌भव और विकास पर विस्तारपूर्वक गहन चर्चा।

4. पत्रकारिता : संपादक के गुण, शीर्षक की संरचना पर विस्तृत चर्चा।

अप्रैल, 2024

1. नव्यत्तर गद्य गौरव : 'तिब्बत के पथ पर' यात्रावृत का विश्लेषणात्मक पाठ ।

2. साहित्यिक परिचय: राहुल सांकृत्यायन 3. हरियाणवी कविता की प्रवृत्तियों, हरियाणवी गद्य साहित्य: उपन्यास, कहानी, नाटक के उद्‌भव और विकास पर विस्तारपूर्वक गहन चर्चा।

4. पत्रकारिता : फीचर की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा।

5. लेखन कार्य।

6. कक्षा परीक्षा।

मई, 2024

1 पत्रकारिता स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा पर विवेचनात्मक गहन चर्चा।

2. पुनरावृत्ति: समग्र पाठ्यक्रम की वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से पुनरावृत्ति।

डॉ. सतीश कुमार
सहायक आचार्य, हिंदी
राजकीय महिला महाविद्यालय, घरौंडा (बसताड़ा)